www.a2zpapers.com

Exam. Code : 103204
Subject Code : 1117

B.A./B.Sc. Semester—IV

HINDI ELECTIVE

(उपन्यास, नाटक तथा सैद्धान्तिकी)

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—100

नोट :— यह प्रश्न-पत्र **तीन** भागों में विभाजित है। निर्देशानुसार उत्तर दें।

भाग—क

निम्नलिखित **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। 10×2=20

1. 'ऊँट के मुँह में जीरा' मुहावरे का अर्थ बतलाते हुए वाक्य में प्रयोग करें।
2. 'कठपुतली बनना' मुहावरे का अर्थ स्पष्ट करते हुए वाक्य में प्रयोग करें।
3. 'अधजल गगरी छलकत जाए' को वाक्य में इस प्रकार प्रयोग करें कि अर्थ स्पष्ट हो जाए।
4. 'छछूंदर के सिर में चमेली का तेल' को वाक्य में इस प्रकार प्रयोग करें कि अर्थ स्पष्ट हो जाए।
5. नाटक को परिभाषाबद्ध करें।
6. उपन्यास के तत्त्वों के बारे में बताएं।
7. उपन्यास के प्रकार स्पष्ट करें।
8. 'निर्मला' उपन्यास के मुख्य नारी पात्र के चरित्र की कोई दो विशेषताएं बताएं।
9. निर्मला उपन्यास के किन्हीं दो पुरुष पात्रों के नाम लिखें।
10. 'कोणार्क' नाटक कितने अंकों में विभाजित है ?

www.a2zpapers.com

www.a2zpapers.com

भाग—ख

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **आठ** प्रश्नों का उत्तर दीजिये। प्रत्येक उपभाग से कम से कम **दो** प्रश्न करने अनिवार्य हैं। $8 \times 6 = 48$

1. (क) (i) उपन्यास को परिभाषित करते हुए इसका स्वरूप स्पष्ट करें।

(ii) उपन्यास के तत्त्वों की विवेचना करें।

(ii) नाटक के तत्त्वों पर प्रकाश डालें।

(iv) नाटक को परिभाषित करते हुए इसके विभिन्न प्रकारों का उल्लेख करें।

(ख) (v) निर्मला उपन्यास के नामकरण पर विचार करें।

(vi) निर्मला उपन्यास की मूल समस्या को रेखांकित करें।

(vii) 'कोणार्क' नाटक के कथ्य की विवेचना करें।

(viii) रंगमंच की दृष्टि से 'कोणार्क' नाटक एक सफल रचना है। स्पष्ट करें।

(ग) निम्नलिखित पंक्तियों की सप्रसंग व्याख्या करें :

(ix) यह रूपवती है, गुणशील है, चतुर है, कुलीन है, तो हुआ करे; दहेज नहीं तो उसके सारे गुण दोष हैं; दहेज हो तो सारे दोष-गुण हैं। प्राणी का कोई मूल्य नहीं, केवल दहेज का मूल्य है। कितनी विषम भाग्यलीला है।

www.a2zpapers.com

www.a2zpapers.com

(x) एक सती पर सन्देह किया जा रहा है; और मेरे कारण ! मुझे अपने प्राणों से उनकी रक्षा करनी होगी, यही मेरा कर्त्तव्य है। इसी में सच्ची वीरता है। माता, मैं अपने रक्त से इस कालिमा को धो दूँगा। इसी में मेरा और तुम्हारा दोनों का कल्याण है।

(xi) निर्दय अत्याचार की छाया में ही जो विकसते और मझति हैं, उनको एकाध विपत की घड़ी के लिए तैयार होने की जरूरत नहीं आर्य।

(xii) क्या हम लोग भेड़-बकरियाँ हैं, जो चाहे जिसके हवाले कर दी जायें ? आज ही तो हमारे भाग्य का फैसला है। जिस सिंहासन को तुम आज डावाँडोल कर रहे हो, वह हमारे ही तो कन्धों पर टिका है।

भाग –ग

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दें। 16×2=32

1. उपन्यास को परिभाषित करते हुए इसके प्रकारों का विस्तारपर्वूक वर्णन करें।
2. नाटक के तत्त्वों का विस्तारपूर्वक वर्णन करें।
3. निर्मला उपन्यास की मूल संवेदना स्पष्ट करें।
4. कोणार्क नाटक के नायक का चरित्रगत विश्लेषण करें।

www.a2zpapers.com